

रजिस्टर्ड

राजशिप/उद्देश/फ-3/पूवी-447/बीएड/2001/1677

दिनांक: 17.7.2001

भारत के राजपत्र भाग-3, खण्ड-4 में प्रकाशनाथ  
आदेश

परिचित सुजान सिंह डिग्री कॉलेज, सुरत कुण्ड रोड, मेरठ-250001, उत्तर प्रदेश को उत्तर क्षेत्रीय समिति के निर्णयानुसार समिति कार्यालय के आदेश क्रमांक एफ-3/पूवी-447/बीएड/2000/5970-5977 दिनांक 9.8.2000 के द्वारा सत्र 2000-2001 में 40 सीटों की मान्यता प्रदान की गई थी। परिषद् मानदंडों की जाँच हेतु राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, परिषद् अधिनियम 1993 की धारा 17 (1) के तहत संस्था को दिनांक 26.4.2001 को मूल्यांकन कराया गया था तथा संस्था की मूल पत्रावली, मूल्यांकन प्रतिवेदन तथा अन्य सम्बन्धित दस्तावेज आदि उत्तर क्षेत्रीय समिति की दिनांक 10-11 मई, 2001 को सम्पन्न हुई 34 वीं बैठक में प्रस्तुत किए गए थे। उत्तर क्षेत्रीय समिति ने प्रकरण पर गहराई से विचार कर लिया कि संस्था में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा बीएड कार्यक्रम के लिए निर्धारित मानदंडानुसार निर्मांकित कमियाँ हैं तथा समिति ने निर्णय लिया कि संस्था को इस कमियों के सर्वत्र में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् अधिनियम 1993 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत दिनांक 20.6.2001 तक स्वीकृत अध्यापक प्रदान करने का अवसर प्रदान कर दिया जाए।

1. संस्था में कार्यालय प्राचार्य को अध्यापन अनुभव की कमी है। अतः यूजीसी मानदंडानुसार 10 वर्षों का अध्यापन अनुभव वाले प्राचार्य की कमी है।
2. व्याख्याता/रीडर पद पर दो व्याख्याता 5 वर्षों के अनुभव के साथ नेट/स्लेट योग्यताओं को होने की कमी है।
3. व्याख्याताओं के 3 वर्षों में से दो व्याख्याता नेट/स्लेट योग्यताधारी होने की कमी है।
4. विधिवत चयन समिति के गठन एवं इससे प्राचार्य एवं व्याख्याताओं के चयन होने की कमी है।
5. कार्यानुभव अनुदेशक एक, कला संगीत अनुदेशक एक की कमी है।
6. लगभग 1,000 पुस्तकें ही संस्था में उपलब्ध हैं अतः 2,000 पुस्तकें एवं तीन शैक्षिक जर्नल की कमी है।
7. अध्यापकों को यूजीसी/केन्द्र/राज्य/राज्य सरकार के वेतनभार देने की कमी है।
8. कॉलेज विचार के अन्तर्गत में पत्र देना तथा इसमें शैक्षिक बातवचन का अभाव है। अतः संस्था के पास भूमि के वैधानिक परतपत्र होने की कमी है तथा प्रस्ताव का स्वयं का भवन होने की कमी है।
9. संस्था में आद्य-व्यय का निवृत्त सही प्रकार संभाला नहीं किया है। अध्यापकों को वेतन भरण का विवरण भी उपलब्ध करने की कमी है।
10. अथवा निधि में 1.00 लाख रुपये की कमी है।

समिति द्वारा लिपि/एड/उपरोक्त निर्णयानुसार संस्था को पत्र क्रमांक राजशिप/उद्देश/फ-3/पूवी-447/2001/950 दिनांक 21.5.2001 लिखा गया था जिसका उत्तर संस्था ने अपने पत्र दिनांक 11.6.2001 के द्वारा दिया।

संस्था से प्राप्त उत्तर एवं संस्था की मूल पत्रावली, मूल्यांकन प्रतिवेदन, संस्था को प्रेषित पत्र, परिषद् अधिनियम एवं इसके अन्तर्गत जारी विनियमों/मानदंडों की प्रति तथा अन्य सम्बन्धित दस्तावेज उत्तर क्षेत्रीय समिति की दिनांक 05.07.2001 को सम्पन्न हुई 36 वीं बैठक में रखे गए। समिति ने प्रकरण पर गहराई से विचार कर निर्णय लिया कि परिचित सुजान सिंह डिग्री कॉलेज, सुरत कुण्ड रोड, मेरठ-250001, उत्तर प्रदेश के बीएड कार्यक्रम की प्रदान मान्यता को निर्मांकित कमियों के कारण सत्र 2001-2002 से अस्वीकार कर दिया जाए।

1. प्राचार्य के लिए निर्देशन के समय संस्था ने अनुभव की जानकारी नहीं देने तथा वर्तमान में योग्यता का उद्घोष न करने तथा प्रमाण न देने से योग्यताधारी प्राचार्य उपलब्ध होने की कमी है।
2. संस्था द्वारा कार्यालय स्टाफ के योग्यता एवं अनुभव के प्रमाण न देने के कारण व्याख्याता/रीडर पद पर दो व्याख्याता 5 वर्षों के अनुभव के साथ नेट/स्लेट योग्यताधारी होने की कमी बर्थाव है।
3. संस्था द्वारा व्याख्याताओं द्वारा धारित योग्यताएँ एवं उनके प्रमाण न देने के कारण 3 व्याख्याताओं की योग्यता यूजीसी मानदंडानुसार होने की पूर्ति की कमी है। अतः व्याख्याता परिषद् मानदंडानुसार योग्यताधारी होने की कमी है।
4. कला संगीत अनुदेशक एक की कमी है।
5. संस्था ने 3254 पुस्तकें उपलब्ध बताई हैं जबकि निर्देशन प्रतिवेदन में 1,000 पुस्तकें के कठोर ही उपलब्ध होने की बात कही गई है उसकी पूर्ति की कमी है।

